ज्ञानविविधा
रचना, आलोचना और शोध की त्रैमासिक पत्रिका

Online ISSN : 3048-4537
April-June, 2024 : 1(3)49-57
©2024 Gyanvividha
www.gyanvividha.com

अमृता दाधीच
शोधार्थी, पीएच.डी स्कॉलर

मार्गदर्शिका
डॉ. सुनिता मूर्डिया
सहआचार्य (शिक्षा)
लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण
महाविद्यालय, डबोक, उदयपुर

Corresponding Author :
अमृता दाधीच
शोधार्थी, पीएच.डी स्कॉलर

जनजाति विद्यार्थियों की स्वसामर्थ्यता - विश्लेषण

शोध सार :

प्रो. बन्डुरा ने स्वसामर्थ्य के महत्त्व को स्वीकार करते हुए लिखा है कि स्वधारणाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया व्यक्ति के सभी पक्षों को प्रभावित करती है। व्यक्ति की स्वसामर्थ्य धारणा उसके अध्ययन, निष्पादन, प्रेरणा, कार्यसंलग्नता तथा स्वलगाव को प्रोत्साहित करती है। यही कारण हे कि समस्त कठिनाइयों या असाधारण परिस्थितियों में भी अपने निष्पादन स्तर का उच्च बनाये रखता है। बन्दुरा (1978) ने भी स्व-सामर्थ्य का तरीकों से स्पष्ट किया-

(i) Undirectional
B = F (P,E)

(ii) Partially B Directional
B = F (P→E)

(iii) Reciprocal
B = Behaviour
P = The cogniture and other internal event that effect perceptions and actions
E = The external environment

बुन्दरा ने संज्ञानात्मक एवम उनसे सम्बधित आयामों का विस्तार से अध्ययन किया और यह निष्कर्ष निकाला कि उपरोक्त तीनों आयाम मिलकर एक दूसरे को प्रभावित करते है। शोधार्थी ने यह जानने का प्रयास किया है कि जनजाति विद्यार्थियों की स्व-सामर्थ्यता कैसी है? क्या छात्र एवम् छात्राओं की स्वसामर्थ्यता में अन्तर है ? क्या राजकीय तथा प्राईवेट विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की स्वसामर्थ्यता अलग-अलग है ? इन प्रश्नों का उत्तर इस शोध पत्र में निम्न उद्देश्यों के विवेचना/व्याख्या में प्रस्तुत किया जा रहा है।

उद्देश्य :-

1. राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का उच्च तथा निम्न स्वामर्थ्यता का आवृति के आधार पर क्षेत्रवार विश्लेषण
2. प्राईवेट विद्यालय में अध्ययनरत जनजाति छात्र-छात्राओं का उच्च तथा निम्न सामर्थ्य की आवृति के आधार पर विश्लेषण।
3. समग्र जनजाति छात्र एवम् छात्राओं का मध्यमान के आधार पर क्षेत्रवार स्वसामर्थ्य का विश्लेषण।
4. समग्र राजकीय तथा निजी विद्यार्थियों की स्वसामर्थ्यता का क्षेत्रवार विश्लेषण।
5. समग्र जनजाति छात्र, छात्राओं तथा राजकीय एवम् निजी विद्यालयों में अध्ययनरत जनजाति विद्यार्थियों की स्वसामर्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन।

शोधार्थी ने उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए स्वनिर्मित स्व-सामर्थ्य प्रमापनी को प्रशासित किया तथा क्षेत्रवार आवृति, निकालकर मध्यमान, मानकविचलन तथा टी-मान सांख्यिकीय गणना को सारणियों में प्रस्तुत किया गया है -

शोध विधि, न्यादर्श तथा उपकरण

(a) शोध विधि : प्रस्तुत शोध हेतु शोधकर्ती ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

(b) शोध उपकरण : इस शोध में शोधकर्त्री ने स्वसामर्थ्यता स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया है। उपकरण में 5 क्षेत्र का निर्माण किया गया। उपकरण को शोधकर्त्री ने क्षेत्रों के चयन, कथनों के निर्माण हेतु विशेषज्ञों की 80% राम को आधार मानकर तथा प्रत्येक कथन का पदविश्लेषण (टी-मान द्वारा) विश्वसनीयता तथा वैधता ज्ञात की गयी।

शोधार्थी ने चयनित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रदत्तो का इकट्ठा कर मध्यमान मानकविचलन तथा टी-मान साख्यिकी प्रयोग कर निम्न सारणियों में विश्लेषण प्रस्तुत किया है।

सारणी संख्या - 1

प्राईवेट विद्यालयों में अध्ययनरत जनजाति छात्र-छात्राओं का उच्च तथा निम्न स्वसामर्थ्य का आवृति के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	क्षेत्र	समूह	राजकीय जनजाति विद्यार्थी (N = 160)	
			छात्र (N=80)	छात्राएँ (N=80)
1	उच्च लक्ष्य निर्धारण	उच्च स्व-सामर्थ्य	4	4
		निम्न स्व-सामर्थ्य	5	4
2	निरन्तर प्रयत्नशीलता	उच्च स्व-सामर्थ्य	6	4
		निम्न स्व-सामर्थ्य	7	8
3	आन्तरिक उत्साह एवं लगन	उच्च स्व-सामर्थ्य	5	5
		निम्न स्व-सामर्थ्य	7	5
4	आत्मविश्वास एवं आत्म निर्भरता	उच्च स्व-सामर्थ्य	7	2
		निम्न स्व-सामर्थ्य	5	6

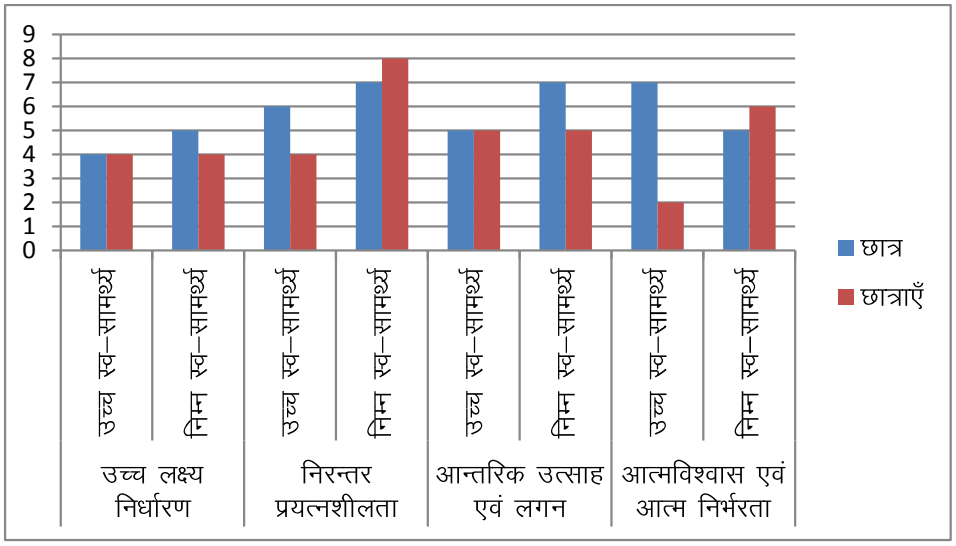

सारणी संख्या - 2

समग्र राजकीय जनजाति छात्र एवम् छात्राओं की मध्यमान के आधार पर क्षेत्रवार स्व-सामर्थ्य का अध्ययन

क्र.सं.	क्षेत्र	राजकीय जनजाति विद्यार्थी (N=160)	
		छात्र (N = 80)	छात्राएँ (N=80)
1.	उच्च लक्ष्य निर्धारण	41.12	42.05
2.	निरन्तर प्रयत्नशीलता	45.77	46.07
3.	आन्तरिक उत्साह एवं लगन	37.72	38.30
4.	आत्मविश्वास एवं आत्म निर्भरता	48.87	40.77
5.	सभी क्षेत्रों पर	167.00	168.70

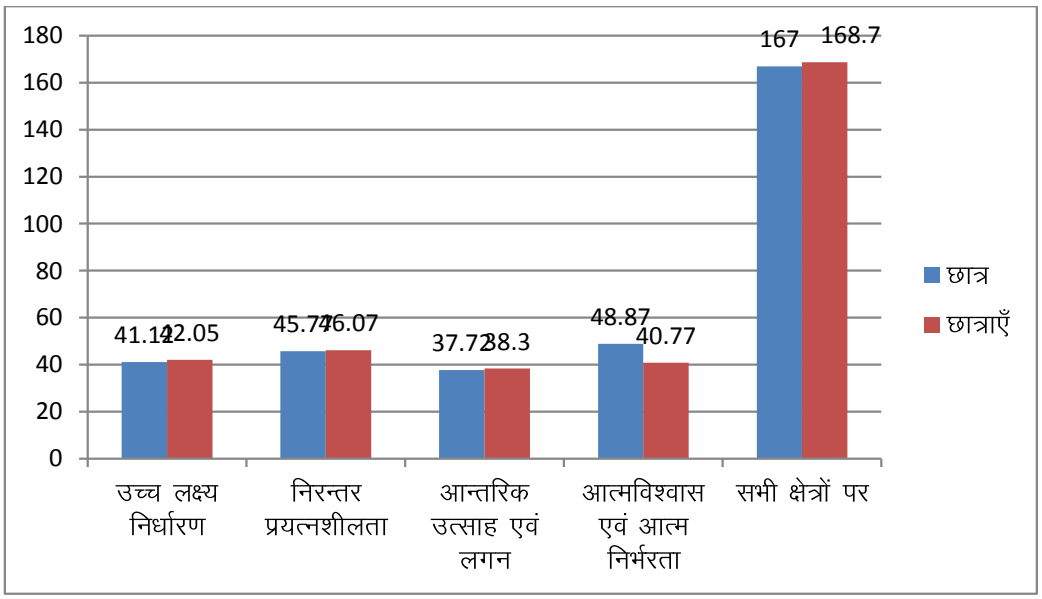

सारणी संख्या - 3

खण्ड (अ) का भाग (2) राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत जनजाति छात्र एवम् छात्राओं उच्च तथा निम्न स्वसामर्थ्य का आवृति के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	क्षेत्र	समूह	राजकीय जनजाति विद्यार्थी (N = 160)	
			छात्र (N=80)	छात्राएँ (N=80)
1.	उच्च लक्ष्य निर्धारण	उच्च स्व-सामर्थ्य	10	6
		निम्न स्व-सामर्थ्य	5	10
2.	निरन्तर प्रयत्नशीलता	उच्च स्व-सामर्थ्य	6	10
		निम्न स्व-सामर्थ्य	5	5
3.	आन्तरिक उत्साह एवं लगन	उच्च स्व-सामर्थ्य	4	10
		निम्न स्व-सामर्थ्य	5	8
4.	आत्मविश्वास एवं आत्म निर्भरता	उच्च स्व-सामर्थ्य	6	6
		निम्न स्व-सामर्थ्य	5	7

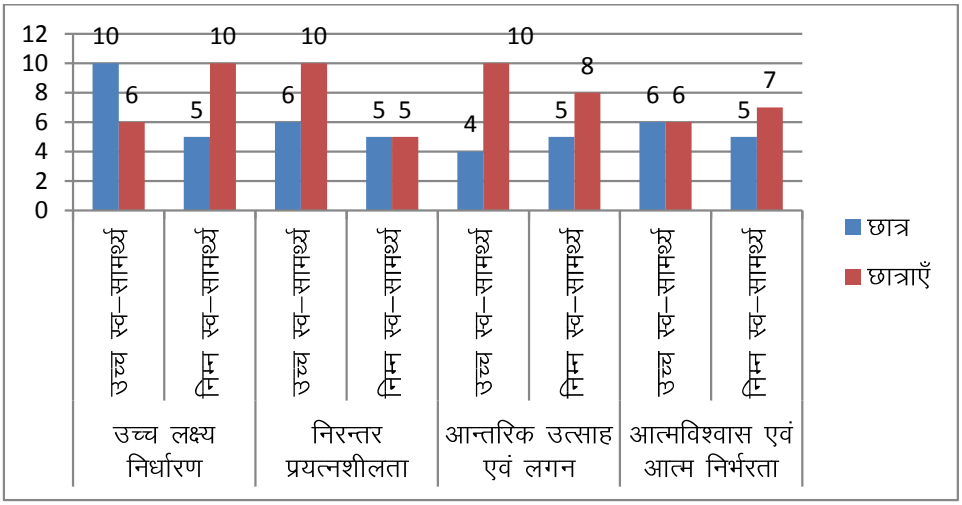

सारणी संख्या - 4

प्राईवेट विद्यालयों के जनजाति विद्यार्थियों की स्व-सामर्थ्य के क्षेत्रों के मध्यमान के आधार पर विश्लेषण

क्र क्र.सं.	क्षेत्र	राजकीय जनजाति विद्यार्थी (N=160)	
		छात्र (N = 80)	छात्राएँ (N=80)
1.	उच्च लक्ष्य निर्धारण	39.57	41.30
2.	निरन्तर प्रयत्नशीलता	43.42	45.97
3.	आन्तरिक उत्साह एवं लगन	36.52	38.47
4.	आत्मविश्वास एवं आत्म निर्भरता	37.79	41.37
5.	सभी क्षेत्रों पर	159.45	168.62

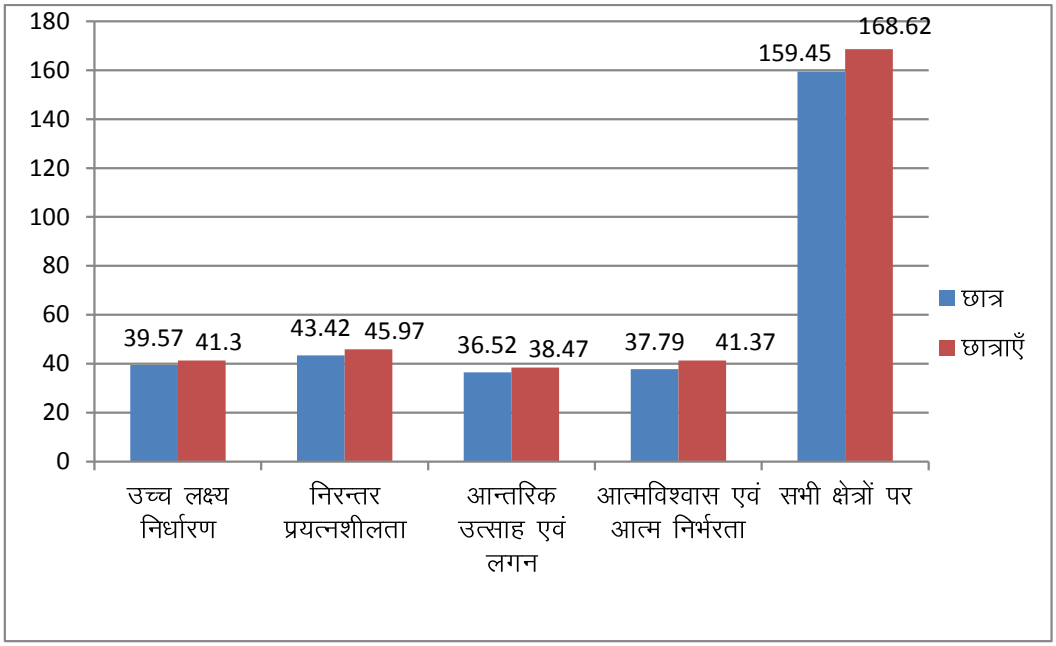

सारणी संख्या - 5

समग्र न्यादर्श जनजाति छात्र एवं छात्राओं की स्व-समर्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों पर प्राप्त प्राप्तांकों के मध्यमान के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.सं.	क्षेत्र	समूह	(N)	मध्यामन	मानक विचलन	टी-मान	05/.01 स्तर पर सार्थक
1.	उच्च लक्ष्य निर्धारण	छात्र	80	42.62	4.14	1.62	सार्थक नहीं
		छात्राएँ	80	41.67	3.23		
2.	निरन्तर प्रयत्नशीलता	छात्र	80	44.60	3.78	2.96	.01 स्तर पर सार्थक है।
		छात्राएँ	80	46.02	2.02		
3.	आन्तरिक उत्साह एवं लगन	छात्र	80	37.12	2.82	3.06	.01 स्तर पर सार्थकता है।
		छात्राएँ	80	38.38	2.37		
4.	आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता	छात्र	80	39.65	4.28	2.41	.05 स्तर पर सार्थक है।
		छात्राएँ	80	41.07	3.09		
5.	समग्र क्षेत्रों पर	छात्र	80	166.00	16.54	1.32	सार्थक नहीं
		छात्राएँ	80	168.71	8.07		

स्वतन्त्रता के अंश (df = 158) पर

0.05 स्तर का सारणीमान = 1.98

0.01 स्तर का सारणीमान = 2.60

सारणी संख्या - 6

समग्र राजकीय एवं प्राइवेट जनजाति विद्यार्थियों की स्व-सामर्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों पर प्राप्त प्राप्तांकों के मध्यमासन के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.सं.	क्षेत्र	समूह	(N)	मध्यमान	मानक विचलन	टी-मान	05/.01 स्तर पर सार्थक
1.	उच्च लक्ष्य निर्धारण	राजकीय विद्यार्थी	80	41.58	3.46	2.25	05 स्तर पर सार्थक
		प्राईवेट विद्यार्थी	80	40.43	2.99		
2.	निरन्तर प्रयत्नशीलता	राजकीय विद्यार्थी	80	45.92	2.77	2.55	05 स्तर पर सार्थक
		प्राईवेट विद्यार्थी	80	44.70	3.27		
3.	आन्तरिक उत्साह एवं लगन	राजकीय विद्यार्थी	80	38.01	2.45	1.21	सार्थक नहीं
		प्राईवेट विद्यार्थी	80	37.50	2.86		
4.	आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता	राजकीय विद्यार्थी	80	40.82	3.47	1.54	सार्थक नहीं
		प्राईवेट विद्यार्थी	80	39.90	4.05		
5.	समग्र क्षेत्रों पर	राजकीय विद्यार्थी	80	167.85	10.26	2.37	.05 स्तर पर सार्थक
		प्राईवेट विद्यार्थी	80	164.03	10.14		

स्वतन्त्रता के अंश (df = 158) पर

0.05 स्तर का सारणीमान = 1.98

0.01 स्तर का सारणीमान = 2.60

मुख्य निष्कर्ष :-

(अ) समग्र राजकीय विद्यालयों के जनजाति विद्यार्थियों की उच्च तथा निम्न स्व-सामर्थ्य का आवृत्ति के आधार पर क्षेत्रवार विश्लेषण -

(i) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र में 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्रों की संख्या राजकीय जनजाति छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(ii) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र में 'निम्न' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्राओं की संख्या राजकीय जनजाति छात्रों से अधिक पायी गयी।

(iii) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र में उच्च स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्राओं की संख्या राजकीय जनजाति छात्रों से अधिक पायी गयी

(iv) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र में निम्न स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्र-छात्राओं की संख्या बराबर पायी गयी।

(v) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र में 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्राओं की संख्या राजकीय छात्रों से अधिक पायी गयी।

(vi) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र में 'निम्न' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्राओं की संख्या जनजाति छात्रों से अधिक पायी गयी।

(vii) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता के क्षेत्र में 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्र-छात्राओं की संख्या बराबर पायी गयी

(viii) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता 'निम्न' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक पायी गयी

(ix) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्रों की संख्या राजकीय जनजाति छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(x) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर 'निम्न स्व-सामर्थ्य रखने वाले राजकीय जनजाति छात्रों की संख्या जनजाति छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(ब) समग्र प्राईवेट विद्यालयों के जनजाति विद्यार्थियों की उच्च तथा निम्न स्व-सामर्थ्य का आवृत्ति के आधार पर क्षेत्रवार विश्लेषण -

(i) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र में 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्र-छात्राओं की संख्या बराबर पायी गयी।

(ii) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र में 'निम्न' स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्रों की संख्या प्राइवेट छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(iii) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र में 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्रों की संख्या प्राइवेट जनजाति छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(iv) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र में 'निम्न' स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक पायी गयी।

(v) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र में 'उच्च' स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्र-छात्राओं की संख्या बराबर पायी गयी।

(vi) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र में 'निम्न' स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्रों की संख्या छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(vii) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता के क्षेत्र में 'उच्च स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्रों की संख्या छात्राओं से अधिक पायी गयी।

(viii) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता निम्न स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्राओं की सख्या छात्रों से अधिक पायी गयी।

(ix) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर उच्च स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्राओं की संख्या प्राइवेट जनजाति छात्रों से अधिक पायी।

(x) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर निम्न स्व-सामर्थ्य रखने वाले प्राइवेट जनजाति छात्राओं की संख्या जनजाति छात्रों से अधिक पायी गयी।

(स) समय राजकीय विद्यालयों के जनजाति विद्यार्थियों की स्व-सामर्थ्य के क्षेत्रों के मध्यमान के आधार पर विश्लेषण -

(i) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से थोड़ा अधिक पाया गया।

(ii) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से थोड़ा अधिक पाया गया।

(iii) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से थोड़ा अधिक पाया गया।

(iv) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्रों की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्राओं से थोड़ा अधिक पाया गया।

(v) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से थोड़ा अधिक पाया गया।

(द) समग्र प्राईवेट विद्यालयों के जनजाति विद्यार्थियों की स्व-सामर्थ्य के क्षेत्रों के मध्यमान के आधार पर विश्लेषण -

(i) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं का स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से थोड़ा अधिक पाया गया।

(ii) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं का स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से अधिक पाया गया।

(iii) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से अधिक पाया गया।

(iv) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता के क्षेत्र में मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं का स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से अधिक पाया गया।

(v) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर मध्यमान के आधार पर जनजाति छात्राओं की स्व-सामर्थ्य जनजाति छात्रों से अधिक पाया गया।

(य) समय न्यादर्श जनजाति छात्र एवं छात्राओं की स्व-सामर्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों पर प्राप्त प्राप्तांकों के मध्यमान के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण के निष्कर्ष -

(i) उच्च लक्ष्य निर्धारण के क्षेत्र पर दोनों ही समूह स्व-सामर्थ्यता की दृष्टि से एक जैसे है।

(ii) निरन्तर प्रयत्नशीलता के क्षेत्र पर दोनों ही समूह स्व-सामर्थ्यता की दृष्टि से भिन्न है।

(iii) आंतरिक उत्साह एवं लगन के क्षेत्र पर दोनों ही समूह स्व-सामर्थ्यता की दृष्टि से भिन्न है।

(iv) आत्म विश्वास एवं आत्म निर्भरता के क्षेत्र पर दोनों ही समूह स्व-सामर्थ्यता की दृष्टि से भिन्न है।

(v) स्व-सामर्थ्य के सभी क्षेत्रों पर मध्यमान पर दोनों ही समूह स्व-सामर्थ्यता की दृष्टि से एक जैसे है।

उपसंहार

प्रस्तुत शोध लेख में जनजाति विद्यार्थियों (छात्र-छात्रओं) के प्राप्त प्रदत्तों पर क्षेत्रवार समग्र जनजाति विद्यार्थियों की उच्च तथा निम्न स्व-सामर्थ्यता, मध्यमान के आधार पर छात्र एवम् छात्राओं की स्व-सामर्थ्यता का विश्लेषण किया गया है। समग्र राजकीय तथा प्राईवेट विद्यार्थियों तथा समग्र छात्र-छात्राओं का क्षेत्रवार स्व-सामर्थ्यता का तुलनात्मक अध्ययन का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया है।

संदर्भ साहित्य

1. A.E., Wool Folk : "Educational Psychology", Ally and Bacon, VIth d., Boston, London (P. 356).
2. Alka, Kalra (1989) : Self Efficacy and task motivation" Ph.D. Psychology Thesis, Bhopal Barkatullah University.
3 H.E. Garrett (1973) : "Statistics in Educational and Psychology, IVth Ed., London, Longmans Green Co.
4. J.W. Best (1959) : "Elements of Educational Research", Prentice Hall, Inc. Englewood Cliffs, U.S.A.
5. T.L. Whitney, (1950) : "The element of research", Engle woods cliffs, New Jersey, Prentice Hall Inc.
6. ढोढियाल एवं फाटक (1982): शैक्षिक अनुसंधान का विधि शास्त्र, राजस्थान

इंटरनेट

7. http://www.nmew.gov.in/
8. https://wwwdissertation.com
9. pkumar. cie egmail. com
10. shodhaganga.inflibnet.ac.in.
11. Wikipedia, The Area Encyclopedia http://www.thejaps.org.pk

• • •